CLASS ORB.COM

शिक्षक: ओम सिकरवार

यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय

The Rise of Nationalism in Europe

कक्षा 10 | इतिहास | अध्याय 1

📝 बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ)	**30 प्रश्न**
📋 रिक्त स्थान भरिए	**20 प्रश्न**
? प्रश्नोत्तर (FAQ)	**20 प्रश्न**
✍ लघु उत्तरीय प्रश्न	**8 प्रश्न**
📖 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	**3 प्रश्न**
🔗 मिलान तालिका	**3 तालिकाएँ**

यह प्रश्नपत्र आपके परीक्षा की पूर्ण तैयारी के लिए बनाया गया है। हर प्रश्न को पहले खुद हल करने की कोशिश करें, फिर उत्तर देखें। मेहनत करें, समझ बनाएँ — रटना नहीं, सोचना ज़रूरी है।

खण्ड अ — बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) — 30 प्रश्न

प्रत्येक प्रश्न के लिए सबसे उचित विकल्प चुनिए। सही उत्तर और संक्षिप्त स्पष्टीकरण नीचे दिया गया है।

1. 1848 में 'विश्वव्यापी लोकतांत्रिक और सामाजिक गणराज्यों के स्वप्न' नामक प्रिंट किस फ्रांसीसी कलाकार ने बनाया था?

अ) जाक-लुई दाविद
ब) फ्रेडेरिक सोरियो
स) यूजीन दलाक्रोइक्स
द) फिलिप वाइट

✓ सही उत्तर: ब) फ्रेडेरिक सोरियो

फ्रेडेरिक सोरियो ने 1848 में चार चित्रों की एक श्रृंखला तैयार की थी जिसमें उन्होंने 'लोकतांत्रिक और सामाजिक गणराज्यों से बने विश्व' का अपना सपना दर्शाया था।

---

2. 'निरंकुशवाद' (Absolutism) शब्द का अर्थ है —

अ) जनता द्वारा चुनी गई सरकार
ब) केंद्रीकृत, सैन्यवादी और दमनकारी राजतंत्र
स) संविधान पर आधारित शासन
द) चर्च द्वारा नियंत्रित सरकार

✓ सही उत्तर: ब) केंद्रीकृत, सैन्यवादी और दमनकारी राजतंत्र

निरंकुश शासन में राजा की शक्ति पर कोई अंकुश नहीं होता — शासन केंद्रीकृत, सैन्यवादी और दमनकारी होता है।

---

3. राष्ट्रवाद की पहली स्पष्ट अभिव्यक्ति किस क्रांति के साथ हुई?

अ) अमेरिकी क्रांति 1776
ब) फ्रांसीसी क्रांति 1789
स) रूसी क्रांति 1917
द) गौरवपूर्ण क्रांति 1688

✓ सही उत्तर: ब) फ्रांसीसी क्रांति 1789

1789 की फ्रांसीसी क्रांति ने संप्रभुता को राजतंत्र से जनता के हाथों में स्थानांतरित किया — यही राष्ट्रवाद की पहली स्पष्ट अभिव्यक्ति थी।

---

4. 'जनमत संग्रह' (Plebiscite) का अर्थ है —

अ) संसद में मतदान
ब) किसी प्रस्ताव पर सभी क्षेत्रवासियों द्वारा प्रत्यक्ष मतदान
स) सैन्य घोषणापत्र
द) दो राष्ट्रों के बीच संधि

✓ सही उत्तर: ब) किसी प्रस्ताव पर सभी क्षेत्रवासियों द्वारा प्रत्यक्ष मतदान

जनमत संग्रह में किसी क्षेत्र के सभी लोगों से किसी प्रस्ताव को स्वीकार या अस्वीकार करने के लिए सीधे मत माँगा जाता है।

---

5. नेपोलियन की 'नागरिक संहिता 1804' (Civil Code 1804) ने समाप्त किया —

अ) धर्म की स्वतंत्रता
ब) जन्म पर आधारित सभी विशेषाधिकार और कानून के समक्ष समानता स्थापित की
स) केवल व्यापार संघ
द) सैन्य सेवा

✓ सही उत्तर: ब) जन्म पर आधारित सभी विशेषाधिकार और कानून के समक्ष समानता स्थापित की

नेपोलियन संहिता ने जन्म पर आधारित विशेषाधिकारों को समाप्त किया, कानून के समक्ष समानता स्थापित की और संपत्ति के अधिकार को सुरक्षित किया।

---

6. वियना कांग्रेस किस वर्ष हुई थी?

अ) 1804
ब) 1815
स) 1821
द) 1848

✓ सही उत्तर: ब) 1815

वियना कांग्रेस 1815 में नेपोलियन की हार के बाद हुई। इसकी अध्यक्षता ऑस्ट्रिया के चांसलर ड्यूक मेटर्निख ने की।

---

7. वियना कांग्रेस 1815 की अध्यक्षता किसने की थी?

अ) ओट्टो वॉन बिस्मार्क
ब) ड्यूक मेटर्निख
स) काउंट कावूर
द) फ्रेडरिक विल्हेल्म चतुर्थ

✓ सही उत्तर: ब) ड्यूक मेटर्निख

ऑस्ट्रिया के चांसलर ड्यूक मेटर्निख ने वियना कांग्रेस की अध्यक्षता की और यूरोप में रूढ़िवादी व्यवस्था बनाए रखने में प्रमुख भूमिका निभाई।

---

8. ज्युसेपे मेत्सिनी का जन्म कहाँ हुआ था?

अ) वेनिस
ब) मिलान
स) जेनोआ
द) रोम

✓ सही उत्तर: स) जेनोआ

ज्युसेपे मेत्सिनी का जन्म 1805 में जेनोआ में हुआ था। 24 वर्ष की आयु में वे कार्बोनारी की गुप्त समिति के सदस्य बने।

---

9. मेत्सिनी ने अपने निर्वासन के बाद कौन-सी दो भूमिगत संस्थाएँ स्थापित कीं?

अ) यंग यूरोप और यंग जर्मनी
ब) यंग इटली और यंग यूरोप
स) यंग फ्रांस और यंग इटली
द) कार्बोनारी और यंग यूरोप

✓ सही उत्तर: ब) यंग इटली और यंग यूरोप

मेत्सिनी ने मार्सेल्स में 'यंग इटली' और बर्न में 'यंग यूरोप' की स्थापना की।

---

10. 'जोलवेराइन' (Zollverein) क्या था?

अ) एक जर्मन संसद
ब) 1834 में प्रशिया की पहल पर गठित एक सीमा शुल्क संघ
स) एक गुप्त क्रांतिकारी समिति
द) एक ऑस्ट्रियाई सैन्य गठबंधन

✓ सही उत्तर: ब) 1834 में प्रशिया की पहल पर गठित एक सीमा शुल्क संघ

जोलवेराइन एक सीमा शुल्क संघ था जिसने जर्मन राज्यों के बीच व्यापार बाधाओं को समाप्त किया और मुद्राओं की संख्या तीस से घटाकर दो कर दी।

---

11. 'मताधिकार' (Suffrage) का अर्थ है —

अ) उत्पीड़न के विरुद्ध संघर्ष
ब) मतदान का अधिकार
स) अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता
द) संपत्ति का अधिकार

✓ सही उत्तर: ब) मतदान का अधिकार

मताधिकार का अर्थ है मतदान करने का अधिकार। फ्रांसीसी क्रांति में यह अधिकार प्रारंभ में केवल संपत्तिशाली पुरुषों को ही दिया गया था।

---

12. जुलाई क्रांति 1830 के बाद फ्रांस में क्या हुआ?

अ) नेपोलियन पुनः सत्ता में आए
ब) लुई फिलिप के नेतृत्व में संवैधानिक राजतंत्र स्थापित हुआ
स) फ्रांसीसी गणतंत्र की स्थापना हुई
द) वियना कांग्रेस बुलाई गई

✓ सही उत्तर: ब) लुई फिलिप के नेतृत्व में संवैधानिक राजतंत्र स्थापित हुआ

बॉर्बन राजाओं को उखाड़ फेंका गया और उदारवादी क्रांतिकारियों ने लुई फिलिप के नेतृत्व में संवैधानिक राजतंत्र स्थापित किया।

---

13. कॉन्स्टेंटिनोपल की संधि (1832) ने किस देश को स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता दी?

अ) बेल्जियम
ब) पोलैंड
स) यूनान (ग्रीस)
द) हंगरी

✓ सही उत्तर: स) यूनान (ग्रीस)

1832 की कॉन्स्टेंटिनोपल संधि ने यूनान को एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता दी, जो 1821 से ओटोमन साम्राज्य के विरुद्ध लड़ रहा था।

---

14. ग्रीक स्वतंत्रता संग्राम में सहयोग देने गए कौन से अंग्रेज कवि 1824 में वहीं बुखार से मर गए?

अ) जॉन कीट्स
ब) पर्सी शेली
स) लॉर्ड बायरन
द) विलियम वड्सवर्थ

✓ सही उत्तर: स) लॉर्ड बायरन

लॉर्ड बायरन ने ग्रीस की स्वतंत्रता के लिए संसाधन जुटाए और स्वयं वहाँ जाकर लड़े। 1824 में बुखार से उनकी मृत्यु हो गई।

---

15. स्वच्छंदतावाद (Romanticism) ने मुख्य रूप से किस पर बल दिया?

अ) तर्क, विज्ञान और तकनीक
ब) भावनाओं, अंतर्ज्ञान और रहस्यवादी भावनाओं पर
स) औद्योगिक प्रगति
द) राजनीतिक लोकतंत्र

✓ सही उत्तर: ब) भावनाओं, अंतर्ज्ञान और रहस्यवादी भावनाओं पर

रोमांटिक कलाकारों और कवियों ने तर्क और विज्ञान की महिमामंडन की आलोचना करते हुए भावनाओं, लोक-संस्कृति और साझी विरासत पर बल दिया।

---

16. ग्रिम बंधुओं जैकब और विल्हेल्म ने लोक-कथाएँ संग्रहित करने का मुख्य उद्देश्य क्या था?

अ) शाही परिवारों का मनोरंजन
ब) जर्मन राष्ट्रीय पहचान बनाना और फ्रांसीसी वर्चस्व का विरोध करना
स) बच्चों को नैतिक शिक्षा देना
द) फ्रांसीसी भाषा सीखना

✓ सही उत्तर: ब) जर्मन राष्ट्रीय पहचान बनाना और फ्रांसीसी वर्चस्व का विरोध करना

ग्रिम बंधुओं का मानना था कि उनकी संग्रहित लोक-कथाएँ एक शुद्ध और प्रामाणिक जर्मन राष्ट्रीय भावना की अभिव्यक्ति हैं।

---

17. यूरोप में 1848 का वर्ष किससे जुड़ा है?

अ) वियना कांग्रेस
ब) क्रांतियाँ — कारीगर, श्रमिक और किसान आर्थिक कठिनाइयों के विरुद्ध उठ खड़े हुए
स) जर्मनी का एकीकरण
द) फ्रांसीसी क्रांति

✓ सही उत्तर: ब) क्रांतियाँ — कारीगर, श्रमिक और किसान आर्थिक कठिनाइयों के विरुद्ध उठ खड़े हुए

1848 में पूरे यूरोप में क्रांतियाँ हुईं। कारीगर, औद्योगिक श्रमिक और किसान आर्थिक कठिनाइयों के विरुद्ध उठ खड़े हुए; मध्यवर्ग ने संवैधानिक सरकारों की माँग की।

---

18. फ्रैंकफर्ट संसद का अधिवेशन कहाँ हुआ था?

अ) सेंट पॉल चर्च, फ्रैंकफर्ट
ब) वर्साय का महल, पेरिस
स) वियना, ऑस्ट्रिया
द) बर्लिन, प्रशिया

✓ सही उत्तर: अ) सेंट पॉल चर्च, फ्रैंकफर्ट

18 मई 1848 को 831 निर्वाचित प्रतिनिधि फ्रैंकफर्ट के सेंट पॉल चर्च में एकत्रित हुए थे।

---

19. फ्रैंकफर्ट संसद ने 1848 में जर्मनी के एकीकृत राष्ट्र का ताज किसे अर्पित किया?

अ) ओट्टो वॉन बिस्मार्क
ब) कैसर विल्हेल्म प्रथम
स) प्रशिया के राजा फ्रेडरिक विल्हेल्म चतुर्थ
द) ऑस्ट्रिया के सम्राट फ्रांज जोसेफ

✓ सही उत्तर: स) प्रशिया के राजा फ्रेडरिक विल्हेल्म चतुर्थ

फ्रैंकफर्ट संसद ने प्रशिया के राजा फ्रेडरिक विल्हेल्म चतुर्थ को ताज अर्पित किया, परंतु उन्होंने इसे अस्वीकार कर दिया।

---

20. जर्मनी का एकीकरण किस प्रक्रिया से पूरा हुआ?

अ) लोकतांत्रिक जन-क्रांति
ब) बिस्मार्क के नेतृत्व में सात वर्षों में तीन युद्ध लड़कर
स) जर्मन नागरिकों के जनमत संग्रह से
द) वियना कांग्रेस के निर्णय से

✓ सही उत्तर: ब) बिस्मार्क के नेतृत्व में सात वर्षों में तीन युद्ध लड़कर

बिस्मार्क ने सात वर्षों में तीन युद्ध लड़े — ऑस्ट्रिया, डेनमार्क और फ्रांस के विरुद्ध — और सभी में विजय पाकर जर्मनी का एकीकरण पूरा किया।

---

21. जर्मन साम्राज्य की घोषणा वर्साय के हॉल ऑफ मिरर्स में कब की गई?

अ) 18 जनवरी 1866
ब) 18 जनवरी 1871
स) 10 मई 1848
द) 15 मार्च 1815

✓ सही उत्तर: ब) 18 जनवरी 1871

18 जनवरी 1871 को वर्साय के हॉल ऑफ मिरर्स में आयोजित एक भव्य समारोह में प्रशिया के राजा विल्हेल्म प्रथम को जर्मन सम्राट घोषित किया गया।

---

22. इटली के एकीकरण में ऑस्ट्रिया को हराने के लिए किसने फ्रांस के साथ कूटनीतिक गठबंधन किया?

अ) ज्युसेपे मेत्सिनी
ब) ज्युसेपे गैरीबाल्डी
स) काउंट कावूर
द) विक्टर इमैनुएल द्वितीय

✓ सही उत्तर: स) काउंट कावूर

सार्डिनिया-पीडमोंट के मुख्यमंत्री काउंट कावूर ने फ्रांस के साथ कूटनीतिक गठबंधन बनाकर 1859 में ऑस्ट्रिया को हराया।

---

23. गैरीबाल्डी के स्वयंसेवक सैनिक किस नाम से प्रसिद्ध थे?

अ) कार्बोनारी
ब) रेड शर्ट्स (लाल कुर्ती वाले)
स) यंग इटली
द) जेकोबिन्स

✓ सही उत्तर: ब) रेड शर्ट्स (लाल कुर्ती वाले)

गैरीबाल्डी के स्वयंसेवक 'रेड शर्ट्स' के नाम से प्रसिद्ध थे। उनकी संख्या लगभग 30,000 तक पहुँच गई थी।

---

24. विक्टर इमैनुएल द्वितीय को एकीकृत इटली का राजा कब घोषित किया गया?

अ) 1848
ब) 1859
स) 1861
द) 1871

✓ सही उत्तर: स) 1861

1861 में काउंट कावूर के कूटनीतिक कार्य और गैरीबाल्डी के सैन्य अभियानों के बाद विक्टर इमैनुएल द्वितीय को एकीकृत इटली का राजा घोषित किया गया।

---

25. फ्रांस में राष्ट्र का प्रतीक बनी स्त्री-रूपक (allegory) का नाम क्या था?

अ) जर्मेनिया
ब) ब्रिटानिया
स) मारियान
द) विक्टोरिया

✓ सही उत्तर: स) मारियान

फ्रांस में स्त्री-रूपक का नाम मारियान रखा गया — एक लोकप्रिय ईसाई नाम, जो जनता के राष्ट्र का विचार व्यक्त करता था।

---

26. चित्रों में जर्मेनिया कैसे मुकुट पहनती है?

अ) सोने की पत्तियों का
ब) गुलाब का
स) बलूत (ओक) की पत्तियों का
द) तेजपत्ते का

✓ सही उत्तर: स) बलूत (ओक) की पत्तियों का

जर्मेनिया के दृश्य-चित्रणों में वह बलूत की पत्तियों का मुकुट पहनती है, क्योंकि जर्मन बलूत वृक्ष वीरता का प्रतीक है।

---

27. 1871 के बाद यूरोप में राष्ट्रवादी तनाव का सबसे गंभीर स्रोत कौन-सा क्षेत्र था?

अ) राइनलैंड
ब) बाल्कन
स) आयरलैंड
द) पोलैंड

✓ सही उत्तर: ब) बाल्कन

बाल्कन क्षेत्र — जिसमें आधुनिक रोमानिया, बुल्गारिया, अल्बानिया, ग्रीस, क्रोएशिया, सर्बिया आदि शामिल हैं — 1871 के बाद राष्ट्रवादी तनाव का सबसे गंभीर स्रोत बना।

---

28. 1707 का 'एक्ट ऑफ यूनियन' इंग्लैंड और किसके बीच हुआ था?

अ) आयरलैंड
ब) स्कॉटलैंड
स) वेल्स
द) फ्रांस

✓ सही उत्तर: ब) स्कॉटलैंड

1707 के एक्ट ऑफ यूनियन से इंग्लैंड और स्कॉटलैंड मिलकर 'यूनाइटेड किंगडम ऑफ ग्रेट ब्रिटेन' बने।

---

29. आयरलैंड को ब्रिटेन में जबरदस्ती किस वर्ष मिलाया गया?

अ) 1688
ब) 1789
स) 1801
द) 1848

✓ सही उत्तर: स) 1801

1801 में आयरलैंड को जबरदस्ती यूनाइटेड किंगडम में मिला लिया गया। वुल्फ टोन के नेतृत्व में 1798 का विद्रोह दबाए जाने के बाद यह हुआ।

---

30. साम्राज्यवाद से जुड़े राष्ट्रवाद ने यूरोप को किस वर्ष आपदा में धकेल दिया ?

अ) 1848
ब) 1871
स) 1905
द) 1914

✓ **सही उत्तर : द) 1914**

साम्राज्यवाद के साथ जुड़े राष्ट्रवाद ने 1914 में प्रथम विश्व युद्ध के रूप में यूरोप को आपदा में धकेल दिया।

खण्ड ब — रिक्त स्थान भरिए — 20 प्रश्न

प्रत्येक वाक्य में रिक्त स्थान सही शब्द से भरिए। उत्तर नीचे दिया गया है — पहले स्वयं सोचें!

1. 1848 में _____ ने 'लोकतांत्रिक और सामाजिक गणराज्यों से बने विश्व' का सपना चित्रों में दर्शाया।

✓ उत्तर: फ्रेडेरिक सोरियो

वे एक फ्रांसीसी कलाकार थे जिनकी चार चित्रों की श्रृंखला अध्याय की शुरुआत में वर्णित है।

2. फ्रांसीसी क्रांति _____ में हुई, जिसने संप्रभुता राजतंत्र से जनता के हाथों में स्थानांतरित की।

✓ उत्तर: 1789

यह यूरोप में राष्ट्रवाद की पहली स्पष्ट अभिव्यक्ति का आधार वर्ष है।

3. नेपोलियन की 'नागरिक संहिता 1804' को _____ के नाम से जाना जाता है।

✓ उत्तर: नेपोलियन संहिता (Napoleonic Code)

इस संहिता ने जन्म पर आधारित विशेषाधिकारों को समाप्त किया और कानून के समक्ष समानता स्थापित की।

4. वियना कांग्रेस 1815 की अध्यक्षता ऑस्ट्रिया के चांसलर _____ ने की।

✓ उत्तर: ड्यूक मेटर्निख

मेटर्निख यूरोप में रूढ़िवादी व्यवस्था के प्रमुख समर्थक थे।

5. मेत्सिनी ने मार्सेल्स में _____ और बर्न में 'यंग यूरोप' की स्थापना की।

✓ उत्तर: यंग इटली

मेत्सिनी का मानना था कि ईश्वर ने राष्ट्रों को एक प्राकृतिक इकाई के रूप में बनाया है।

6. 1834 में प्रशिया की पहल पर गठित _____ नामक सीमा शुल्क संघ ने जर्मन राज्यों के बीच व्यापार बाधाओं को समाप्त किया।

✓ उत्तर: जोलवेराइन (Zollverein)

जोलवेराइन ने आर्थिक राष्ट्रवाद को बढ़ावा दिया और जर्मन एकीकरण की नींव रखी।

7. _____ की संधि (1832) ने यूनान को स्वतंत्र राष्ट्र घोषित किया।

✓ उत्तर: कॉन्स्टेंटिनोपल

इस संधि ने 1821 से चले आ रहे यूनानी स्वतंत्रता संग्राम को औपचारिक मान्यता दी।

8. स्वच्छंदतावादी आंदोलन ने तर्क और विज्ञान की महिमा का विरोध कर _____, अंतर्ज्ञान और रहस्यवादी भावनाओं पर बल दिया।

✓ उत्तर: भावनाओं (emotions)

रोमांटिसिज्म ने लोक-संस्कृति, साझी विरासत और राष्ट्रीय भावना को बढ़ावा दिया।

9. ग्रिम बंधुओं ने अपनी पहली लोक-कथाओं की संग्रह _____ में प्रकाशित की।

✓ उत्तर: 1812

उन्होंने छह साल गाँव-गाँव घूमकर लोक-कथाएँ इकट्ठी कीं और उन्हें 1812 में प्रकाशित किया।

10. 18 मई 1848 को _____ निर्वाचित प्रतिनिधि फ्रैंकफर्ट के सेंट पॉल चर्च में एकत्रित हुए।

✓ उत्तर: 831

ये प्रतिनिधि जर्मन राष्ट्र के लिए संविधान का मसौदा तैयार करने के लिए एकत्रित हुए थे।

11. ओट्टो वॉन बिस्मार्क ने जर्मन एकीकरण _____ युद्धों के माध्यम से पूरा किया।

✓ उत्तर: तीन

डेनमार्क, ऑस्ट्रिया और फ्रांस के विरुद्ध तीन युद्ध सात वर्षों में लड़े गए।

12. 18 जनवरी 1871 को _____ के हॉल ऑफ मिरर्स में जर्मन साम्राज्य की घोषणा की गई।

✓ उत्तर: वर्साय (Versailles)

यह स्थान जानबूझकर चुना गया था — फ्रांस को फ्रांको-प्रशियन युद्ध में हार के बाद अपमानित करने के लिए।

13. काउंट कावूर ने _____ के साथ गठबंधन बनाकर 1859 में ऑस्ट्रिया को पराजित किया।

✓ उत्तर: फ्रांस

कावूर एक कुशल राजनयिक थे — न क्रांतिकारी, न लोकतंत्रवादी।

14. _____ को 1861 में एकीकृत इटली का राजा घोषित किया गया।

✓ उत्तर: विक्टर इमैनुएल द्वितीय

हालाँकि पापल स्टेट्स 1870 में ही इटली से जुड़े।

15. फ्रांस में राष्ट्र की स्त्री-रूपक का नाम _____ था, जो लिबर्टी और गणतंत्र का प्रतीक था।

✓ उत्तर: मारियान

उसकी छवि सिक्कों, डाक टिकटों और सार्वजनिक चौकों पर लगाई जाती थी।

16. जर्मन राष्ट्र की स्त्री-रूपक _____ थी, जो बलूत की पत्तियों का मुकुट पहनती है।

✓ उत्तर: जर्मेनिया

जर्मेनिया वीरता, युद्ध के लिए तत्परता और शांति की इच्छा — तीनों का प्रतीक थी।

17. 'रूपक' (Allegory) का अर्थ है जब कोई अमूर्त विचार — जैसे स्वतंत्रता, न्याय या राष्ट्र — को किसी _____ के माध्यम से व्यक्त किया जाए।

✓ उत्तर: व्यक्ति या वस्तु (person or thing)

रूपक कथा के दो अर्थ होते हैं — एक शाब्दिक और एक प्रतीकात्मक।

18. रूसी कब्जे के बाद पोलैंड में _____ भाषा को राष्ट्रीय प्रतिरोध के हथियार के रूप में उपयोग किया गया।

✓ उत्तर: पोलिश

पोलिश भाषा पर प्रतिबंध के बावजूद, चर्च सभाओं और धार्मिक शिक्षा में इसका उपयोग जारी रहा।

19. 1871 के बाद यूरोप में राष्ट्रवादी तनाव का सबसे गंभीर स्रोत _____ क्षेत्र था।

✓ उत्तर: बाल्कन

बाल्कन की प्रतिद्वंद्विताओं और महाशक्तियों की होड़ ने 1914 के प्रथम विश्व युद्ध को जन्म दिया।

20. फ्रांसीसी दार्शनिक अर्नेस्ट रेनान ने 1882 में सोरबोन विश्वविद्यालय में 'राष्ट्र क्या है?' नामक व्याख्यान में कहा कि राष्ट्र एक 'दैनिक _____ है।

✓ उत्तर: जनमत संग्रह (plebiscite)

रेनान का तात्पर्य था कि राष्ट्र तभी तक अस्तित्व में रहता है जब तक उसके लोग मिलकर रहने की इच्छा रखते हैं।

खण्ड स — प्रश्नोत्तर (FAQ) — 20 महत्त्वपूर्ण प्रश्न

ये परीक्षा में सबसे अधिक पूछे जाने वाले प्रश्न हैं। प्रश्न और उत्तर दोनों ध्यान से पढ़ें।

प्र.1. अर्नेस्ट रेनान का 'राष्ट्र क्या है?' विषय पर क्या मत था?

अर्नेस्ट रेनान ने 1882 में सोरबोन विश्वविद्यालय में दिए व्याख्यान में कहा कि राष्ट्र न तो एक समान भाषा से बनता है, न नस्ल से और न धर्म से। उनके अनुसार राष्ट्र लंबे समय के प्रयास, बलिदान और समर्पण का परिणाम है। यह एक महान सामूहिक पहचान है जो वीरतापूर्ण अतीत, महान पुरुषों और गौरव पर आधारित है। सबसे महत्त्वपूर्ण बात — उन्होंने कहा कि राष्ट्र एक 'दैनिक जनमत संग्रह' है, अर्थात् राष्ट्र तभी तक जीवित रहता है जब तक उसके नागरिक प्रतिदिन मिलकर रहने का निर्णय लेते हैं। यह विचार बहुत क्रांतिकारी था क्योंकि इसने राष्ट्र के केंद्र में जनता को रखा, न भूगोल या नस्ल को।

प्र.2. उदार राष्ट्रवाद (Liberal Nationalism) की प्रमुख माँगें क्या थीं?

19वीं सदी के प्रारंभ में उदार राष्ट्रवाद उदारवाद की विचारधारा से घनिष्ठ रूप से जुड़ा था। 'Liberalism' शब्द लैटिन 'liber' (स्वतंत्र) से आया है। नए मध्यवर्ग के लिए उदारवाद की तीन प्रमुख माँगें थीं: **राजनीतिक** — व्यक्ति की स्वतंत्रता, कानून के समक्ष समानता, संविधान और प्रतिनिधि संसद; **सामाजिक** — निरंकुशता और पादरी वर्ग के विशेषाधिकारों का अंत, निजी संपत्ति की रक्षा; **आर्थिक** — बाजार की स्वतंत्रता और वस्तुओं व पूँजी की आवाजाही पर राज्य-नियंत्रण का अंत। महत्त्वपूर्ण बात यह है कि इस समानता में महिलाओं और संपत्तिहीन पुरुषों को नहीं रखा गया था, जो बाद में संघर्ष का विषय बना।

प्र.3. नेपोलियन के प्रशासनिक सुधारों ने यूरोप में राष्ट्रवाद को कैसे फैलाया?

नेपोलियन ने अपने अधीन क्षेत्रों में कई सुधार किए जिन्होंने परोक्ष रूप से राष्ट्रवादी विचारों को फैलाया। नेपोलियन संहिता 1804 ने जन्म-आधारित विशेषाधिकार समाप्त किए, कानूनी समानता स्थापित की। सामंती व्यवस्था और दासता समाप्त की। एकसमान वज़न, माप और मुद्रा लागू की। यातायात और संचार में सुधार हुआ। इन सुधारों से आम जनता — किसान, कारीगर और व्यापारी — को एक संगठित समुदाय का हिस्सा होने का अहसास हुआ। विरोधाभासी रूप से, जब नेपोलियन की फौजें अन्य देशों पर हावी हुईं, तो वहाँ के लोगों में फ्रांसीसी वर्चस्व के खिलाफ स्थानीय राष्ट्रवाद जागा — यह भी एक अप्रत्यक्ष परिणाम था।

प्र.4. 1815 के बाद रूढ़िवाद (Conservatism) की क्या विशेषताएँ थीं?

नेपोलियन की हार के बाद यूरोपीय सरकारें रूढ़िवाद की भावना से प्रेरित हुईं। रूढ़िवादियों का मानना था कि राज्य और समाज की स्थापित परंपरागत संस्थाएँ — राजतंत्र, चर्च, सामाजिक ऊँच-नीच और परिवार — को बनाए रखना चाहिए। अधिकांश रूढ़िवादी पूरी तरह पुरानी व्यवस्था में वापस नहीं जाना चाहते थे। उन्होंने महसूस किया कि आधुनिकीकरण — आधुनिक सेना, कुशल नौकरशाही, गतिशील अर्थव्यवस्था — परंपरागत संस्थाओं को और मजबूत बना सकता है। वियना कांग्रेस ने इस रूढ़िवादी दृष्टिकोण को मूर्त रूप दिया। रूढ़िवादी सरकारों ने सेंसरशिप कानून लागू किए और समाचारपत्रों, नाटकों व गीतों पर नियंत्रण रखा।

प्र.5. जोलवेराइन (Zollverein) ने जर्मन राष्ट्रवाद में क्या भूमिका निभाई?

जोलवेराइन 1834 में प्रशिया की पहल पर गठित हुआ और जल्दी ही अधिकांश जर्मन राज्य इसमें शामिल हो गए। इसने जर्मन राज्यों के बीच शुल्क-बाधाओं को समाप्त किया और मुद्राओं की संख्या तीस से घटाकर दो कर दी। इससे एक एकीकृत आर्थिक क्षेत्र बना, जिसमें वस्तुओं, लोगों और पूँजी का अबाध आवागमन संभव हुआ। रेलवे-नेटवर्क के विस्तार ने गतिशीलता को और बढ़ाया। ट्यूबिंगेन विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र के प्रोफेसर फ्रेडरिक लिस्ट ने कहा — जोलवेराइन का उद्देश्य जर्मनों को आर्थिक रूप से एक राष्ट्र में जोड़ना है। इस प्रकार आर्थिक राष्ट्रवाद ने व्यापक राष्ट्रवादी भावना को मजबूती दी।

प्र.6. यूरोप में राष्ट्रवाद को विकसित करने में संस्कृति की क्या भूमिका रही?

यूरोप में राष्ट्रवाद का विकास केवल राजनीतिक नहीं था — संस्कृति ने उसे भावनात्मक गहराई दी। स्वच्छंदतावाद (Romanticism) एक सांस्कृतिक आंदोलन था जो तर्क और विज्ञान की बजाय भावनाओं, अंतर्ज्ञान और लोक-परंपराओं पर बल देता था। जर्मन दार्शनिक जोहान गॉटफ्रीड हेर्डर ने कहा कि असली जर्मन संस्कृति 'दास फोल्क' (साधारण जनता) में है — लोकगीतों, लोककविता और लोकनृत्य में। ग्रिम बंधुओं ने लोककथाएँ एकत्रित कीं — फ्रांसीसी वर्चस्व के खिलाफ जर्मन पहचान बनाने के लिए। पोलैंड में संगीतकार करोल कुर्पिन्स्की ने पोलोनेज़ और मज़ुर्का जैसे लोकनृत्यों को राष्ट्रवादी प्रतीकों में बदल दिया। भाषा ने भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई — पोलिश भाषा को राष्ट्रीय प्रतिरोध के हथियार के रूप में इस्तेमाल किया गया।

प्र.7. 1848 की फ्रांसीसी क्रांति ने यूरोप के बाकी हिस्सों पर क्या प्रभाव डाला?

1848 की फ्रांसीसी क्रांति — जिसमें राजा ने सत्ता त्याग दी और सार्वभौमिक पुरुष मताधिकार पर आधारित गणतंत्र घोषित हुआ — ने पूरे यूरोप में हलचल मचा दी। जर्मनी, इटली, पोलैंड और ऑस्ट्रो-हंगेरियन साम्राज्य में पढ़े-लिखे मध्यवर्ग ने संवैधानिक शासन और राष्ट्रीय एकीकरण की माँग उठाई। जर्मन क्षेत्रों में फ्रैंकफर्ट संसद का गठन हुआ। कई देशों के राजाओं को संविधान देने के लिए बाध्य होना पड़ा। हालाँकि अधिकांश क्रांतियाँ दबा दी गईं, लेकिन उन्होंने रूढ़िवादी राजाओं को यह सबक सिखाया कि दमन के चक्र को केवल उदारवादी-राष्ट्रवादियों को रियायत देकर ही तोड़ा जा सकता है।

प्र.8. फ्रैंकफर्ट संसद अपने लक्ष्य में क्यों असफल रही?

फ्रैंकफर्ट संसद मई 1848 में सेंट पॉल चर्च में आयोजित हुई थी और जर्मन राष्ट्र के लिए संविधान का मसौदा तैयार करना चाहती थी। लेकिन यह कई कारणों से असफल रही। पहला: जब संसद ने प्रशिया के राजा फ्रेडरिक विल्हेल्म चतुर्थ को जर्मनी का ताज अर्पित किया, तो उन्होंने इसे अस्वीकार कर दिया — वे जनता के हाथों से ताज लेने को तैयार नहीं थे। दूसरा: संसद पर मध्यवर्ग का वर्चस्व था जो श्रमिकों और कारीगरों की माँगों पर ध्यान नहीं दे रहा था। तीसरा: कुलीन वर्ग और सेना ने विरोध जारी रखा। अंततः संसद का सामाजिक आधार कमज़ोर पड़ा, सेना बुलाई गई और संसद को भंग करना पड़ा।

प्र.9. 'रूपक' (Allegory) क्या होता है? उदाहरण सहित समझाइए।

रूपक एक ऐसी कलात्मक तकनीक है जिसमें कोई अमूर्त विचार — जैसे स्वतंत्रता, न्याय, या राष्ट्र — को किसी व्यक्ति या वस्तु के माध्यम से व्यक्त किया जाता है। 18वीं-19वीं सदी के कलाकारों ने राष्ट्रों को स्त्री रूपों में चित्रित किया। फ्रांस में इसे मारियान कहा गया — लाल टोपी, तिरंगे और कॉकेड से सुशोभित, लिबर्टी और गणतंत्र की प्रतीक। उसकी मूर्तियाँ सार्वजनिक चौकों पर स्थापित की गईं और चेहरा सिक्कों व टिकटों पर अंकित किया गया। जर्मनी में रूपक जर्मेनिया था — बलूत के पत्तों का मुकुट (वीरता), तलवार (युद्ध के लिए तत्परता) और जैतून की शाखा (शांति की इच्छा)। ये रूपक अमूर्त राष्ट्रवादी विचारों को आम नागरिकों के लिए ठोस और भावनात्मक रूप से अपीलकारी बनाते थे।

प्र.10. यूनान के स्वतंत्रता संग्राम का यूरोपीय राष्ट्रवाद के लिए क्या महत्त्व था?

यूनानी स्वतंत्रता संग्राम (1821–1832) यूरोपीय राष्ट्रवाद के लिए कई दृष्टियों से महत्त्वपूर्ण था। यूनान 15वीं सदी से ओटोमन साम्राज्य का हिस्सा था। 1821 में यूनानियों ने स्वतंत्रता का संघर्ष शुरू किया जिसने यूरोप के पढ़े-लिखे वर्ग में राष्ट्रवादी भावना जागृत की। यूरोप के स्वच्छंदतावादी कवियों और कलाकारों ने यूनान को यूरोपीय सभ्यता का पालना माना और उसके पक्ष में जनमत बनाया। लॉर्ड बायरन जैसे कवि स्वयं लड़ने गए। 1832 की कॉन्स्टेंटिनोपल संधि से यूनान स्वतंत्र राष्ट्र बना — यह 19वीं सदी के यूरोप में किसी साम्राज्य के विरुद्ध किसी राष्ट्रवादी आंदोलन की पहली बड़ी सफलता थी और यह अन्य पराधीन लोगों के लिए प्रेरणा बनी।

प्र.11. ब्रिटेन में राष्ट्र-राज्य का निर्माण जर्मनी और इटली से किस प्रकार भिन्न था?

ब्रिटेन में राष्ट्र का निर्माण एक धीमी, क्रमबद्ध प्रक्रिया से हुआ, न कि किसी क्रांति या एकीकरण से। 18वीं सदी से पहले कोई 'ब्रिटिश राष्ट्र' नहीं था — ब्रिटिश द्वीपों के लोगों की प्राथमिक पहचान नृजातीय थी: अंग्रेज, वेल्श, स्कॉट या आयरिश। इंग्लैंड ने धीरे-धीरे अन्य राष्ट्रों पर अपना प्रभाव बढ़ाया। 1688 में संसद ने राजतंत्र से शक्ति ली। 1707 में एक्ट ऑफ यूनियन से इंग्लैंड और स्कॉटलैंड मिले। 1801 में आयरलैंड जबरदस्ती मिलाया गया। जर्मनी और इटली में अलग-अलग राज्यों का एकीकरण हुआ; ब्रिटेन में एक प्रभावशाली इंग्लैंड ने अन्य की संस्कृति और भाषा को दबाकर 'ब्रिटिश पहचान' थोपी।

प्र.12. राष्ट्रवाद और साम्राज्यवाद एक-दूसरे से कैसे जुड़े?

19वीं सदी के अंत तक राष्ट्रवाद अपने आदर्शवादी उदारवादी स्वरूप से हटकर एक संकीर्ण विचारधारा बन गया। राष्ट्रवादी समूह परस्पर असहिष्णु और युद्ध के लिए तत्पर हो गए। यूरोप की बड़ी शक्तियों ने उपनिवेश बनाने और विस्तार के लिए राष्ट्रवादी भावनाओं का उपयोग किया। बाल्कन क्षेत्र इस साम्राज्यवादी प्रतिस्पर्धा का केंद्र बना। रूस, जर्मनी, इंग्लैंड और ऑस्ट्रो-हंगरी सभी बाल्कन पर नियंत्रण चाहते थे। ये प्रतिद्वंद्विताएँ — व्यापार, उपनिवेश और सैन्य शक्ति को लेकर — इतनी विस्फोटक हो गईं कि उन्होंने 1914 के प्रथम विश्व युद्ध को जन्म दिया। इस प्रकार राष्ट्रवाद — जो मूलतः मुक्ति की भावना थी — साम्राज्यवाद के हाथ में एक हथियार बन गया।

प्र.13. फ्रांसीसी क्रांतिकारियों ने फ्रांसीसी जनता में सामूहिक पहचान बनाने के लिए क्या कदम उठाए?

फ्रांसीसी क्रांतिकारियों ने कई उपाय किए। नया तिरंगा झंडा अपनाया, जिसने पुराने शाही निशान की जगह ली। एस्टेट जनरल को 'राष्ट्रीय सभा' का नाम दिया। नए राष्ट्रगीत रचे गए, शपथ ली गई, शहीदों को सम्मान दिया गया। पूरे देश में नागरिकों के लिए एकसमान कानून बनाए। आंतरिक सीमा शुल्क और करों को समाप्त किया। एकसमान वज़न और माप लागू किए। क्षेत्रीय बोलियों को हतोत्साहित किया और पेरिस में बोली जाने वाली फ्रांसीसी को राष्ट्रीय भाषा बनाया। क्रांतिकारियों ने यह भी घोषणा की कि उनका मिशन केवल फ्रांस को नहीं, बल्कि पूरे यूरोप को निरंकुशता से मुक्त कराना है।

प्र.14. 'युंकर' कौन थे और जर्मन एकीकरण में उनकी क्या भूमिका थी?

युंकर (Junkers) प्रशिया के बड़े भूस्वामी थे जो प्रशियाई राजतंत्र और सेना के सामाजिक आधार थे। जब 1848 में फ्रैंकफर्ट संसद का उदारवादी प्रयोग विफल हो गया, तो प्रशिया ने जर्मन एकीकरण की कमान संभाली। मुख्यमंत्री ओट्टो वॉन बिस्मार्क ने प्रशियाई सेना और नौकरशाही की सहायता से — और युंकरों के बड़े भूस्वामियों के समर्थन से — यह प्रक्रिया आगे बढ़ाई। युंकरों ने यह सुनिश्चित किया कि जर्मन एकीकरण उदारवादी लोकतांत्रिक प्रक्रिया के बजाय सैन्य शक्ति और रूढ़िवादी राजनीति के माध्यम से हो।

प्र.15. 1848 में महिलाओं के साथ उदारवादी राष्ट्रवादी आंदोलन में कैसा व्यवहार हुआ?

19वीं सदी के यूरोप में महिलाओं ने राष्ट्रवादी आंदोलनों में सक्रिय रूप से भाग लिया — राजनीतिक संगठन बनाए, समाचारपत्र निकाले, बैठकों में हिस्सा लिया। लेकिन उन्हें समान राजनीतिक अधिकारों से वंचित रखा गया। उदारवाद ने सिद्धांत में 'कानूनी समानता' की बात की, पर व्यवहार में मताधिकार केवल संपत्तिशाली पुरुषों को मिला। नेपोलियन संहिता ने महिलाओं को अवयस्क की श्रेणी में रखा — पिता और पति के अधीन। फ्रैंकफर्ट संसद में महिलाओं को केवल दर्शक दीर्घा में बैठने की अनुमति थी। इस विरोधाभास को नारीवादी लुईस ओट्टो-पेटर्स जैसी महिलाओं ने चुनौती दी जिन्होंने एक महिला पत्रिका और नारीवादी राजनीतिक संगठन की स्थापना की।

प्र.16. 1845 के सिलेसियाई बुनकरों के विद्रोह का क्या महत्त्व है?

1845 का सिलेसियाई बुनकरों का विद्रोह 19वीं सदी के मध्य यूरोप में मज़दूर वर्ग के शोषण और आर्थिक कठिनाइयों का जीवंत उदाहरण है। सिलेसिया में बुनकरों ने उन ठेकेदारों के विरुद्ध विद्रोह किया जो उन्हें कच्चा माल देते थे और तैयार कपड़े के लिए बहुत कम भुगतान करते थे। बुनकरों की एक बड़ी भीड़ ठेकेदार के घर पहुँची, उसकी खिड़कियाँ और फर्नीचर तोड़ दिए और गोदाम लूट लिया। ठेकेदार परिवार सहित भाग गया। सेना बुलाई गई और 11 बुनकरों को गोली मार दी गई। पत्रकार विल्हेल्म वोल्फ ने इस घटना का विवरण दिया। यह घटना बताती है कि 1848 की क्रांतियों की जड़ें केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि गहरी आर्थिक असमानताओं में थीं।

प्र.17. पोलैंड में भाषा ने राष्ट्रीय पहचान बनाने में कैसी भूमिका निभाई?

रूसी कब्ज़े के बाद पोलैंड में पोलिश भाषा को जबरदस्ती हटाकर रूसी भाषा थोप दी गई। 1831 में रूसी शासन के विरुद्ध सशस्त्र विद्रोह हुआ जिसे कुचल दिया गया। इसके बाद पादरी वर्ग के अनेक सदस्यों ने भाषा को राष्ट्रीय प्रतिरोध का हथियार बनाया। चर्च की सभाओं और धार्मिक शिक्षा में पोलिश का उपयोग जारी रहा। पोलिश भाषा बोलना रूसी वर्चस्व के खिलाफ संघर्ष का प्रतीक बन गया। जो पादरी रूसी अधिकारियों की अवज्ञा करते हुए पोलिश में धर्म पढ़ाते थे, उन्हें साइबेरिया भेज दिया जाता था। इस प्रकार पोलैंड में भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्रीय अस्मिता और प्रतिरोध का जीवित प्रतीक बन गई।

प्र.18. जुलाई क्रांति 1830 का यूरोप के बाकी हिस्सों पर क्या प्रभाव पड़ा ?

जुलाई क्रांति 1830 के फ्रांस में हुई जिसमें 1815 के बाद सत्ता में आए बॉर्बन राजाओं को उखाड़ फेंका गया और लुई फिलिप के नेतृत्व में संवैधानिक राजतंत्र स्थापित हुआ। मेटर्निख का यह कथन सच साबित हुआ: 'जब फ्रांस छींकता है, बाकी यूरोप को ज़ुकाम हो जाता है।' इस क्रांति की खबर फैलते ही ब्रसेल्स में विद्रोह हुआ और बेल्जियम नीदरलैंड के यूनाइटेड किंगडम से अलग हो गया। इटली, पोलैंड और जर्मन राज्यों में भी राष्ट्रवादी आंदोलन तेज़ हुए। हालाँकि इन विद्रोहों को दबा दिया गया, लेकिन उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि वियना कांग्रेस की व्यवस्था स्थायी नहीं है।

प्र.19. ज्युसेपे गैरीबाल्डी का जीवन और इटली के एकीकरण में योगदान बताइए।

ज्युसेपे गैरीबाल्डी (1807–82) इटली के सबसे प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानियों में से एक थे। वे एक व्यापारिक नाविक परिवार से आते थे। 1834 में पीडमोंट में गणतांत्रिक विद्रोह में भाग लिया और दक्षिण अमेरिका भागना पड़ा। 1848 में लौटे। 1860 में उन्होंने 'हज़ार की मुहिम' (Expedition of the Thousand) के रूप में दक्षिण इटली की ओर मार्च किया। रेड शर्ट्स स्वयंसेवकों की संख्या 30,000 तक पहुँची। किंगडम ऑफ टू सिसिलीज को जीत लिया। स्थानीय किसानों ने उनका साथ दिया। 1870 में पापल स्टेट्स को भी इटली में मिला दिया। उनके बारे में एक मज़ेदार तथ्य — दक्षिण इटली के कुछ किसान 'इटालिया' शब्द से इतने अनजान थे कि सोचते थे 'ला टालिया' विक्टर इमैनुएल की पत्नी का नाम है!

प्र.20. स्वच्छंदतावाद (Romanticism) क्या था और इसने यूरोपीय राष्ट्रवाद को किस प्रकार प्रेरित किया ?

स्वच्छंदतावाद 18वीं-19वीं सदी का एक सांस्कृतिक आंदोलन था जो ज्ञानोदय के तर्क और विज्ञान-केंद्रित दृष्टिकोण की प्रतिक्रिया में उभरा। स्वच्छंदतावादी कलाकारों और कवियों ने भावनाओं, अंतर्ज्ञान, रहस्यवादी भावनाओं और लोक-परंपराओं पर बल दिया। उनका प्रयास था एक साझी सामूहिक विरासत की भावना जगाना जो राष्ट्र का आधार बने। जर्मन दार्शनिक हेर्डर ने कहा कि राष्ट्र की असली आत्मा साधारण जनता (दास फोल्क) में है। ग्रिम बंधुओं ने लोककथाओं का संग्रह किया। कलाकार यूजीन दलाक्रोइक्स ने 'चिओस का नरसंहार' जैसी पेंटिंग बनाई जो यूनानी स्वतंत्रता संग्राम के पक्ष में यूरोपीय जनमत को प्रभावित करने के लिए थी। इस प्रकार स्वच्छंदतावाद ने राष्ट्रवाद को बौद्धिक नहीं, भावनात्मक और सांस्कृतिक रूप दिया।

खण्ड द — लघु उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 3–4 अंक)

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 80–100 शब्दों में लिखिए।

1. फ्रेडेरिक सोरियो की 1848 की प्रिंट-शृंखला में क्या दृश्य था?

फ्रेडेरिक सोरियो एक फ्रांसीसी कलाकार थे जिन्होंने 1848 में चार चित्रों की एक शृंखला तैयार की। पहले चित्र में यूरोप और अमेरिका के लोग — सभी आयु और सामाजिक वर्गों के पुरुष और महिलाएँ — एक लंबे जुलूस में मार्च करते हुए स्वतंत्रता की प्रतिमा को श्रद्धांजलि दे रहे हैं। ज्ञानोदय की मशाल एक हाथ में और मानवाधिकार का चार्टर दूसरे हाथ में है। जुलूस में सबसे आगे संयुक्त राज्य अमेरिका और स्विट्ज़रलैंड थे — जो उस समय पहले से राष्ट्र-राज्य थे। ऊपर से मसीह, संत और देवदूत दृश्य देख रहे हैं। यह चित्र सोरियो की उस कल्पना को दर्शाता है जिसमें विश्व के सभी राष्ट्र स्वतंत्र, लोकतांत्रिक और भ्रातृत्व की भावना से बंधे हों।

---

2. 'एस्टेट जनरल' को 'राष्ट्रीय सभा' का नाम देना क्यों महत्त्वपूर्ण था?

एस्टेट जनरल का नाम बदलकर 'राष्ट्रीय सभा' करना राजनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्त्वपूर्ण था। एस्टेट जनरल पुरानी राजतंत्रीय व्यवस्था का प्रतीक था जिसमें तीन वर्गों — पादरी, अभिजात और सामान्य जन — का प्रतिनिधित्व सामाजिक रैंक के आधार पर होता था। राष्ट्रीय सभा का नामकरण यह घोषणा था कि संप्रभुता अब राजा में नहीं, बल्कि नागरिकों के समूह में निहित है। यह आधुनिक राष्ट्रीय नागरिकता की नींव थी — जहाँ राज्य के सदस्य 'प्रजा' नहीं, बल्कि 'नागरिक' थे जिनके समान अधिकार थे।

---

3. 1815 के बाद रूढ़िवादी सरकारों ने राष्ट्रवाद को दबाने के लिए क्या किया?

वियना कांग्रेस 1815 के बाद स्थापित रूढ़िवादी सरकारें निरंकुश थीं। वे आलोचना और असहमति को सहन नहीं करती थीं और ऐसी गतिविधियों को रोकती थीं जो निरंकुश सरकारों की वैधता पर सवाल उठाती थीं। अधिकांश सरकारों ने सेंसरशिप कानून लागू किए जो समाचारपत्रों, पुस्तकों, नाटकों और गीतों की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाते थे। स्वतंत्रता और उदारता के विचारों को व्यक्त करने पर रोक थी। क्रांतिकारी गतिविधियाँ भूमिगत हो गईं — कार्बोनारी और यंग इटली जैसी गुप्त समितियाँ बनीं। इसके बावजूद राष्ट्रवाद की भावना जीवित रही और 1848 की क्रांतियों के रूप में फूट पड़ी।

---

4. ज्युसेपे मेत्सिनी कौन थे और उनकी विचारधारा क्या थी?

ज्युसेपे मेत्सिनी का जन्म 1805 में जेनोआ में हुआ। 24 वर्ष की आयु में वे कार्बोनारी गुप्त समिति के सदस्य बने। लिगुरिया में क्रांति की कोशिश की, असफल रहे और 1831 में निर्वासन में भेजे गए। मार्सेल्स में 'यंग इटली' और बर्न में 'यंग यूरोप' की स्थापना की। उनका मानना था: ईश्वर ने राष्ट्रों को एक प्राकृतिक इकाई के रूप में बनाया है — हर राष्ट्र को एक लोकतांत्रिक, एकीकृत राष्ट्र-राज्य में ढलना चाहिए। वे राजतंत्र के कट्टर विरोधी थे। मेटर्निख उनसे इतना भयभीत था कि उसने कहा — 'मेत्सिनी हमारे सामाजिक व्यवस्था का सबसे खतरनाक शत्रु है।'

---

5. ओट्टो वॉन बिस्मार्क ने जर्मन एकीकरण कैसे किया?

1848 की फ्रैंकफर्ट संसद की विफलता के बाद यह स्पष्ट हो गया कि जर्मन एकीकरण उदारवादी लोकतांत्रिक तरीकों से नहीं होगा। प्रशिया के मुख्यमंत्री ओट्टो वॉन बिस्मार्क ने 'लौह और रक्त' (Iron and Blood) की नीति अपनाई। उन्होंने सात वर्षों में तीन युद्ध लड़े — डेनमार्क, ऑस्ट्रिया और फ्रांस के विरुद्ध — और तीनों में विजय प्राप्त की। हर विजय ने प्रशिया की सीमाओं का विस्तार किया। 18 जनवरी 1871 को वर्साय के हॉल ऑफ मिरर्स में विल्हेल्म प्रथम को जर्मन सम्राट घोषित किया गया। एकीकरण 'ऊपर से नीचे' की ओर था — जनतंत्र नहीं, सैन्य शक्ति।

---

6. इटली के एकीकरण में काउंट कावूर की भूमिका क्या थी?

सार्डिनिया-पीडमोंट के मुख्यमंत्री काउंट कावूर न तो क्रांतिकारी थे और न ही लोकतंत्रवादी — पर एक अत्यंत कुशल राजनयिक थे। वे इटालियन की बजाय फ्रेंच बेहतर बोलते थे। उन्होंने फ्रांस के साथ एक कूटनीतिक गठबंधन बनाया और 1859 में ऑस्ट्रियाई सेना को पराजित किया। नियमित सेना के अलावा, ज्युसेपे गैरीबाल्डी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में स्वयंसेवक (रेड शर्ट्स) आए। 1861 में विक्टर इमैनुएल द्वितीय को एकीकृत इटली का राजा घोषित किया गया। कावूर ने यह काम बिना किसी आदर्शवादी मिशन के, शुद्ध राजनीतिक व्यावहारिकता से किया।

---

7. 'मारियान' और 'जर्मेनिया' का क्या प्रतीकात्मक महत्त्व था?

कलाकारों के लिए एक राजा का चित्र बनाना आसान था, पर एक पूरे 'राष्ट्र' का चेहरा बनाना कठिन। इसलिए 18वीं-19वीं सदी के कलाकारों ने राष्ट्र को स्त्री रूपकों में चित्रित किया। फ्रांस में यह 'मारियान' था — लाल टोपी, तिरंगा, कॉकेड — लिबर्टी और गणतंत्र का प्रतीक। उसकी मूर्तियाँ सार्वजनिक चौकों पर लगाई गईं, सिक्कों और टिकटों पर चेहरा अंकित किया गया। जर्मनी में 'जर्मेनिया' था — बलूत के पत्तों का मुकुट (वीरता), तलवार (युद्ध के लिए तत्परता), जैतून की शाखा (शांति की इच्छा)। ये रूपक अमूर्त राष्ट्रवाद को आम नागरिकों के लिए ठोस और भावनात्मक रूप से सार्थक बनाते थे।

---

8. बाल्कन समस्या यूरोप के लिए विस्फोटक क्यों बनी?

बाल्कन क्षेत्र — जिसमें आधुनिक रोमानिया, बुल्गारिया, अल्बानिया, ग्रीस, मेसेडोनिया, क्रोएशिया, स्लोवेनिया, सर्बिया, मोंटेनेग्रो शामिल हैं — 1871 के बाद यूरोपीय राष्ट्रवादी तनाव का सबसे गंभीर स्रोत बन गया। इस क्षेत्र का बड़ा भाग ओटोमन साम्राज्य के अधीन था जो कमज़ोर पड़ रहा था। एक-एक करके स्लाव राष्ट्रीयताएँ आज़ादी की माँग करने लगीं। प्रत्येक बाल्कन राज्य दूसरे की ज़मीन चाहता था। साथ ही रूस, जर्मनी, इंग्लैंड और ऑस्ट्रो-हंगरी जैसी महाशक्तियाँ इस क्षेत्र पर नियंत्रण के लिए आपस में होड़ करती थीं। यह व्यापार, उपनिवेश और सैन्य श्रेष्ठता की प्रतिद्वंद्विता इतनी विस्फोटक हो गई कि बाल्कन क्षेत्र में युद्ध हुए और अंततः 1914 में प्रथम विश्व युद्ध छिड़ गया।

खण्ड इ — दीर्घ उत्तरीय / निबंधात्मक प्रश्न (प्रत्येक 5–6 अंक)

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 150–200 शब्दों में लिखिए। संरचित उत्तर दें — परिचय, मुख्य बिंदु और निष्कर्ष।

1. 1848 की यूरोपीय क्रांतियों के कारण और परिणाम समझाइए।

परिचय: 1848 यूरोप में 'राष्ट्रों का वसंत' कहा जाता है। इस वर्ष पूरे यूरोप में व्यापक क्रांतियाँ हुईं — इनके आर्थिक और राजनीतिक दोनों कारण थे और इनके दूरगामी परिणाम निकले।

आर्थिक कारण: 19वीं सदी के पहले भाग में यूरोप में जनसंख्या बहुत तेज़ी से बढ़ी। नौकरी चाहने वालों की संख्या रोज़गार से अधिक हो गई। ग्रामीण क्षेत्रों से लोग शहरों की ओर पलायन कर भीड़भाड़ वाली बस्तियों में रहने लगे। छोटे उत्पादकों को इंग्लैंड की सस्ती मशीन-निर्मित वस्तुओं से कड़ी प्रतिस्पर्धा मिली। 1845-47 में खराब फसल और खाद्य संकट ने व्यापक गरीबी फैलाई। 1845 में सिलेसिया के बुनकरों ने शोषणकारी ठेकेदारों के विरुद्ध विद्रोह किया — जो आने वाले तूफान की आहट थी।

राजनीतिक कारण: जर्मनी, इटली, पोलैंड और ऑस्ट्रो-हंगेरियन साम्राज्य के पढ़े-लिखे मध्यवर्ग ने आर्थिक शिकायतों के साथ संवैधानिक शासन और राष्ट्रीय एकीकरण की माँग उठाई। मेत्सिनी की विचारधारा गुप्त समितियों के माध्यम से फैल रही थी। रूढ़िवादी सरकारों की सेंसरशिप और दमन से गहरा असंतोष था।

परिणाम: फ्रांस में राजा ने सत्ता त्यागी और गणतंत्र घोषित हुआ। जर्मनी में फ्रैंकफर्ट संसद ने एकीकृत जर्मन संविधान का मसौदा बनाने की कोशिश की। इटली और हंगरी में स्वतंत्रता की माँग उठी। हालाँकि अधिकांश क्रांतियाँ दबा दी गईं, लेकिन उन्होंने राजाओं को सबक सिखाया। 1848 के बाद मध्य और पूर्वी यूरोप में दासता और बंधुआ मज़दूरी समाप्त की गई।

निष्कर्ष: 1848 की क्रांतियाँ तत्काल रूप से असफल रहीं, लेकिन उन्होंने यह सिद्ध कर दिया कि राष्ट्रवाद और उदारवाद की भावनाओं को स्थायी रूप से दबाया नहीं जा सकता।

---

2. 'जर्मनी और इटली ने राष्ट्रीय एकीकरण अलग-अलग तरीकों से हासिल किया।' प्रमुख नेताओं के संदर्भ में चर्चा करें।

परिचय: 19वीं सदी के पूर्वार्द्ध में जर्मनी और इटली दोनों राजनीतिक रूप से विखंडित थे। 1870 के दशक तक दोनों का एकीकरण हो गया, लेकिन दोनों के रास्ते अलग थे।

जर्मन एकीकरण: 1848 की फ्रैंकफर्ट संसद की विफलता के बाद स्पष्ट हुआ कि उदारवादी लोकतांत्रिक मार्ग से एकीकरण नहीं होगा। प्रशिया के मुख्यमंत्री ओट्टो वॉन बिस्मार्क ने 'लौह और रक्त' नीति अपनाई। सात वर्षों में तीन युद्ध — डेनमार्क, ऑस्ट्रिया और फ्रांस के विरुद्ध। 18 जनवरी 1871 को वर्साय के हॉल ऑफ मिरर्स में विल्हेल्म प्रथम को जर्मन सम्राट घोषित किया गया। यह 'ऊपर से नीचे' एकीकरण था — लोकतंत्र नहीं, प्रशियाई सैन्य शक्ति।

इटली का एकीकरण: इटली का एकीकरण तीन शक्तियों का संयोजन था। मेत्सिनी ने वैचारिक नींव रखी — पर 1831 और 1848 दोनों में असफल रहे। काउंट कावूर ने फ्रांस के साथ गठबंधन बनाकर 1859 में ऑस्ट्रिया को हराया — शुद्ध कूटनीति। गैरीबाल्डी ने 1860 में 'हज़ार की मुहिम' से दक्षिण इटली जीता — जनसमर्थन और सैन्य साहस। 1861 में विक्टर इमैनुएल द्वितीय एकीकृत इटली के राजा बने।

तुलना: जर्मन एकीकरण मुख्यतः प्रशियाई सैन्य शक्ति और रूढ़िवादी राजनीति से हुआ। इटली का एकीकरण क्रांतिकारी आदर्शवाद, कूटनीति और सैन्य वीरता का मिश्रण था। दोनों में सेना की प्रमुख भूमिका थी — 1848 की उदारवादी आशाएँ पूरी तरह पूरी नहीं हुईं।

निष्कर्ष: दोनों देशों का एकीकरण सैन्य माध्यम से हुआ, लेकिन इटली की प्रक्रिया अधिक व्यापक और जन-भागीदारी वाली थी।

---

3. यूरोप में राष्ट्रवाद के विकास में कला, साहित्य, संगीत और भाषा की भूमिका समझाइए।

परिचय: यूरोप में राष्ट्रवाद का विकास केवल राजनीतिक घटनाओं से नहीं हुआ — कला, साहित्य, संगीत और भाषा ने उसे भावनात्मक गहराई और जन-सम्पर्क दिया।

स्वच्छंदतावाद: 18वीं-19वीं सदी का यह सांस्कृतिक आंदोलन था जिसने तर्क और विज्ञान के स्थान पर भावनाओं, अंतर्ज्ञान और लोक-परंपराओं को महत्त्व दिया। इसका लक्ष्य एक साझी सामूहिक विरासत की भावना जगाना था जो राष्ट्र का आधार बने।

लोक-संस्कृति की भूमिका: जर्मन दार्शनिक जोहान गॉटफ्रीड हेर्डर ने कहा कि असली जर्मन संस्कृति साधारण लोगों (दास फोल्क) में है — लोकगीतों, लोककविता और नृत्य में। ग्रिम बंधुओं ने गाँव-गाँव घूमकर लोककथाएँ एकत्रित कीं और 1812 में प्रकाशित कीं — फ्रांसीसी वर्चस्व के विरुद्ध जर्मन पहचान बचाने के लिए। पोलैंड में करोल कुर्पिन्स्की ने पोलोनेज़ और मज़ुर्का को राष्ट्रवादी प्रतीकों में बदला।

भाषा की भूमिका: पोलैंड में रूसी कब्ज़े के बाद पोलिश भाषा को राष्ट्रीय प्रतिरोध के हथियार के रूप में इस्तेमाल किया गया। जर्मनी में भाषा-शब्दकोश के विकास ने राष्ट्रीय एकता को मज़बूत किया।

दृश्य कला और रूपक: कलाकारों ने मारियान (फ्रांस) और जर्मेनिया (जर्मनी) जैसे राष्ट्रीय रूपक बनाए जो सिक्कों, टिकटों और सार्वजनिक स्थलों पर लगाए गए। यूजीन दलाक्रोइक्स की 'चिओस का नरसंहार' पेंटिंग ने यूनानी स्वतंत्रता संग्राम के पक्ष में पूरे यूरोप में जनमत प्रभावित किया।

निष्कर्ष: संस्कृति ने राष्ट्रवाद को उन लोगों तक पहुँचाया जो राजनीतिक पर्चे नहीं पढ़ सकते थे। इसने राष्ट्रवाद को बुद्धि नहीं, दिल से महसूस कराया।

खण्ड फ — मिलान कीजिए (Match the Following)

स्तम्भ अ के प्रत्येक पद को स्तम्भ ब की उचित व्याख्या से मिलाइए। उत्तर-कुंजी नीचे दी गई है।

तालिका 1 — व्यक्तित्व और उनका योगदान

स्तम्भ अ — व्यक्तित्व	स्तम्भ ब — योगदान / परिचय
1. फ्रेडेरिक सोरियो	(अ) सार्डिनिया-पीडमोंट के मुख्यमंत्री ; फ्रांस के साथ गठबंधन बनाकर 1859 में ऑस्ट्रिया को पराजित किया।
2. नेपोलियन बोनापार्ट	(ब) इतालवी क्रांतिकारी ; यंग इटली और यंग यूरोप के संस्थापक ; लोकतांत्रिक राष्ट्र-राज्यों में विश्वास रखते थे।
3. क्लेमेंस मेटर्निख	(स) फ्रांसीसी कलाकार जिन्होंने 1848 में लोकतांत्रिक और सामाजिक गणराज्यों के विश्व का सपना चित्रित किया।
4. ज्युसेपे मेत्सिनी	(द) ऑस्ट्रियाई चांसलर जिन्होंने 1815 वियना कांग्रेस की अध्यक्षता की और यूरोप में रूढ़िवाद का समर्थन किया।
5. ओट्टो वॉन बिस्मार्क	(इ) नागरिक संहिता 1804 लागू की ; यूरोपीय क्षेत्रों को फ्रांसीसी प्रशासनिक सिद्धांतों से एकजुट किया।
6. काउंट कावूर	(फ) प्रशिया के मुख्यमंत्री ; 'लौह और रक्त' नीति से सात वर्षों में तीन युद्धों के माध्यम से जर्मनी को एकजुट किया।
7. ज्युसेपे गैरीबाल्डी	(ग) 'हज़ार की मुहिम' (रेड शर्ट्स) का नेतृत्व किया ; दक्षिण इटली जीतकर एकीकरण पूरा किया।
8. लॉर्ड बायरन	(ह) अंग्रेज रोमांटिक कवि जो यूनानी स्वतंत्रता के लिए लड़ने गए और 1824 में वहीं बुखार से मर गए।
9. अर्नेस्ट रेनान	(ज) जर्मन दार्शनिक जिन्होंने कहा कि असली जर्मन संस्कृति साधारण जनता (दास फोल्क) में है।
10. जोहान गॉटफ्रीड हेर्डर	(ट) फ्रांसीसी दार्शनिक जिन्होंने 1882 में सोरबोन में 'राष्ट्र क्या है ?' पर प्रसिद्ध व्याख्यान दिया।

उत्तर-कुंजी — तालिका 1: 1→(स) 2→(इ) 3→(द) 4→(ब) 5→(फ) 6→(अ) 7→(ग) 8→(ह) 9→(ट) 10→(ज)

तालिका 2 — घटनाएँ और वर्ष

स्तम्भ अ — घटना	स्तम्भ ब — वर्ष
1. फ्रांसीसी क्रांति आरम्भ	(अ) 1871
2. नेपोलियन की नागरिक संहिता	(ब) 1832
3. वियना कांग्रेस	(स) 1789
4. यूनानी स्वतंत्रता संग्राम शुरू	(द) 1804
5. कॉन्स्टेंटिनोपल संधि — यूनान स्वतंत्र	(इ) 1834
6. ज़ोलवेराइन का गठन	(फ) 1848
7. फ्रैंकफर्ट संसद का आयोजन	(ग) 1815
8. विक्टर इमैनुएल द्वितीय — एकीकृत इटली के राजा	(ह) 1821
9. वर्साय में जर्मन साम्राज्य की घोषणा	(ज) 1861
10. प्रथम विश्व युद्ध	(ट) 1914

उत्तर-कुंजी — तालिका 2: 1→(स) 2→(द) 3→(ग) 4→(ह) 5→(ब) 6→(इ) 7→(फ) 8→(ज) 9→(अ) 10→(ट)

तालिका 3 — प्रमुख शब्दावली और उनके अर्थ

स्तम्भ अ — शब्द	स्तम्भ ब — अर्थ / परिभाषा
1. निरंकुशवाद (Absolutism)	(अ) किसी प्रस्ताव पर किसी क्षेत्र के सभी लोगों द्वारा प्रत्यक्ष मतदान।
2. स्वप्नदर्शी (Utopian)	(ब) मतदान का अधिकार।
3. जनमत संग्रह (Plebiscite)	(स) एक राजनीतिक दर्शन जो परंपरा, स्थापित संस्थाओं और क्रमिक विकास पर बल देता है।

4. मताधिकार (Suffrage)	(द) ऐसी शासन व्यवस्था जिसमें सत्ता पर कोई अंकुश नहीं; केंद्रीकृत, सैन्यवादी और दमनकारी।
5. रूढ़िवाद (Conservatism)	(इ) महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक समानता में विश्वास।
6. नारीवाद (Feminism)	(फ) ऐसा आदर्श समाज जो व्यावहारिक रूप से संभव न हो।
7. विचारधारा (Ideology)	(ग) किसी विशेष नस्लीय, जनजातीय या सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से संबंध।
8. नृजातीय (Ethnic)	(ह) किसी विशेष सामाजिक और राजनीतिक दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करने वाले विचारों का तंत्र।
9. रूपक (Allegory)	(अ) जब कोई अमूर्त विचार किसी व्यक्ति या वस्तु के माध्यम से व्यक्त किया जाए; दो अर्थ होते हैं — शाब्दिक और प्रतीकात्मक।
10. जोलवेराइन (Zollverein)	(ट) 1834 में प्रशिया की पहल पर गठित जर्मन सीमा शुल्क संघ जिसने राज्यों के बीच व्यापार बाधाएँ हटाईं।

उत्तर-कुंजी — तालिका 3: 1→(द) 2→(फ) 3→(अ) 4→(ब) 5→(स) 6→(इ) 7→(ह) 8→(ग) 9→(अ) 10→(ट)

शिक्षक की ओर से एक बात — ओम सिकरवार

यह प्रश्नपत्र मैंने इस विश्वास के साथ तैयार किया है कि इतिहास केवल तारीखें याद करना नहीं है — यह अतीत और वर्तमान के बीच एक संवाद है। जब आप 19वीं सदी के यूरोपीय राष्ट्रवादियों को अपनी पहचान, अपनी भाषा और स्वशासन के अधिकार के लिए संघर्ष करते हुए पढ़ें, तो अपने आप से पूछें: आज हमारे लिए इसका क्या अर्थ है? यही प्रश्न आपके उत्तर को विशेष बनाएगा — एक ऐसी गहराई जो कोई पाठ्यपुस्तक अकेले नहीं सिखा सकती। मेहनत करें, जिज्ञासु रहें और परीक्षा में शुभकामनाएँ!

— CLASS ORB.COM | शिक्षक : ओम सिकरवार —